अथवा

त्रयी साख्यं योगः पशुपतिमतं वैष्णवमिति,

प्रभिन्ने प्रस्थाने परमिदमदः पथ्यमिति च।

रुचिनां वैचित्र्यादृजुकुटिलनानापथजुषां,

नृणामेको गम्यस्त्वमसि पयसामर्णव इव॥

6. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए–

तथा समक्षं दहता मनोभवं

पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती,

प्रियेषु सौभाग्य-फला हिचारुता॥

अथवा

कृताभिषेकां हुतजातवेदसं,

त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम्।

दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमम्,

न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते॥

7. "बाण प्रकृति के कुशल चितेरे हैं।" इस कथन की समीक्षा कादम्बरी के आधार पर कीजिए।

8. "नवसर्गगते माघे नवशब्दो न विद्यते।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

9. कुमारसम्भवं के **पञ्चम** सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

MASA–05

June – Examination 2022

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

(गद्य तथा काव्य)

Paper : MASA-05

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. (i) 'कादम्बरी' का मुख्य नायक कौन है ?

   (ii) शूद्रक कहाँ के राजा थे ?

   (iii) 'शिशुपालवधं' महाकाव्य का उपजीव्य कौनसा ग्रन्थ है ?

   (iv) महाकवि माघ की उपाधि क्या है ?

(v) 'विक्रमाङ्कदेवचरितम्' के लेखक कौन हैं ?

(vi) 'विक्रमाङ्कदेवचरितम्' में किस वंश के राजा का वर्णन है ?

(vii) 'शिवमहिम्नः स्तोत्रम्' के रचयिता कौन हैं ?

(viii) 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य में 'कुमार' कौन है ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसङ्ग व्याख्या हिन्दी में कीजिए—

यस्य च मदकल-करि-कुम्भ-पीठपाटनमाचरता लग्न-स्थूलमुक्ताफलेन, दृढ-मुष्टिनिष्पीडन-निष्ठ्यूत-धाराजलबिन्दु-दन्तुरेणेव कृपाणेनाकृष्यमाणा सुभटोरः कपाट-विघटित-कवच-सहस्रान्धकार—मध्यवर्तिनी करि-करट-गलित-मदजलसार-दुर्दिना-स्वभिसारिकेव समरनिशासु समीपमसकृदा-जगाम राजलक्ष्मीः।

अथवा

एकस्मिंश्च जीर्णकोटरे जायया सह निवसतः पश्चिमे वयसि वर्तमानस्य कथमपि पितुरहमेवैको विधिवशात् सूनुरभवम्। अतिप्रबलया चाभिभूता ममैव जायमानस्य प्रसववेदनया जननी मे लोकान्तरमगमत्।

3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए—

गुरुद्वयाय गुरुणोरुभयोरथ कार्ययोः।
हरिर्विप्रतिषेधं तमाचचक्षे विचक्षणः॥

अथवा

षड्गुणाः शक्तयस्तिस्रः सिद्धयश्चोदयास्त्रयः।
ग्रन्थानधीत्य व्याकर्तुमिति दुर्मेधसोऽप्यलम्॥

4. अधोलिखित श्लोक की व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए—

अनभ्रवृष्टिः श्रवणामृतस्य
सरस्वती विभ्रमजन्मभूमिः।
वैदर्भरीतिः कृतिनामुदेति,
सौभाग्यलाभप्रतिभूः पदानाम्॥

अथवा

कथासु ये लब्धरसाः कवीनां
ते नानुरज्यन्ति कथान्तरेषु।
न ग्रन्थिपर्णप्रणयाश्चरन्ति
कस्तूरिका गन्धमृगास्तृणेषु॥

5. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए—

अतीतः पन्थानं तव च महिमा वाङ्मनसयोः
रतद्व्यावृत्त्याचकितमभिधत्ते श्रुतिरपि।
स कस्य स्तोतव्यः कतिविधगुणः कस्यविषयः,
पदे त्वर्वाचीने पतति न मनः कस्य न वचः॥